लखनऊ से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

website: www.pawanprawah.com

पवन प्रवाह

सत्य का प्रवाह सतत् प्रवाह

डाक पंजीयन संख्या GPO LW/NP-106/2015-17

वर्ष 03 अंक 14 लखनऊ। सोमवार 26 से 01 जनवरी-2017

e-mail-pawanprawah@gmail.com

मूल्य : तीन रूपये पृष्ठ-16

वर्तमान जलवायु की अप्रत्याशित घटनाएं !

लेखक डॉ. भरत राज सिंह
स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के महानिदेशक एवं वैदिक विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष हैं

आर्कटिक समुद्र (उत्तरी ध्रुव) दिनांक 23 दिसम्बर 2016

शिमला की 2015 व 2016 की स्थितियां

यह सुनकर आप को अजीब सा लगेगा कि दुनिया का सबसे बड़ा रेगिस्तान, बर्फिस्तान बन गया। यह बात सहारा मरुस्थल की है जिसे देखकर मौसम विज्ञानियों के भी पसीने छूट रहे हैं। इस विशाल रेगिस्तान में चारों तरफ बर्फ ही बर्फ जम गई है। अब सऊदी अरब जो रेगिस्तान में बसा है, जहां बूंद-बूंद पानी के लिए मीलों सफर करना पड़ता है। वहां ऐसी बर्फबारी हुई कि पहाड़ के पहाड़ सफेद हो गए। सड़कों पर बर्फ का अंबार लग गया, ऐसा कैसे हो गया? रूस का सबसे ठंडा इलाका साइबेरिया, जहां साल भर बर्फ रहती है, लेकिन, इस बार आसमान से ऐसी बर्फबारी हुई कि 83 सालों का रिकॉर्ड टूट गया। पारा माइनस 62 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। आखिर ऐसे बदलाव की वजह क्या है? दुनिया का सबसे बड़ा रेगिस्तान क्यों और कैसे बन गया बर्फिस्तान?

धरती पर अब तक का सबसे बड़ा बर्फ घोटाला हुआ है। एक ऐसा बर्फ घोटाला जिसने पूरी दुनिया के लिए सबसे बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। हम इसे बर्फ घोटाला इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि धरती पर हवा और पानी की तरह बर्फ भी बेहिसाब है। इतना ज्यादा जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते पर कुदरत की ये अनमोल संपदा लगातार समाप्त होती जा रही है। क्या है ये बर्फ घोटाला, कौन है इसका जिम्मेदार? ये सिर्फ एक कयास नहीं दुनिया के लिए अब तक की सबसे खतरनाक चेतावनी है। एक ऐसी चेतावनी जिसे नजरअंदाज करना इस धरती के लिए महाविनाश की वजह बन सकता है। सर्दियों का मौसम हमेशा के लिए गायब हो जाएगा और ये धरती किसी रेगिस्तान की तरह झुलसने लगेगी।

इसका मकसद आपको डराना नहीं बल्कि आगाह करना है। कुदरत की सबसे बड़ी अनहोनी से बचाना है, क्योंकि धरती के सबसे बड़े बर्फिस्तान में जो महासंकट आया है। उसकी मार से दुनिया में कोई नहीं बच पाएगा। क्या है ये महासंकट और इससे दुनिया को कितना बड़ा खतरा है जो इस धरती पर मंडरा रहे उस महासंकट का सबसे बड़ा सबूत हैं, जिसने हिंदुस्तान से लेकर अमेरिका तक सबके होश उड़ा दिए हैं। ये अंतरिक्ष से ली गई सैटेलाइट इमेज है।

वही आर्कटिक जिसे हम उत्तरी ध्रुव के नाम से जानते हैं। जहां सालों पर बर्फ का बसेरा रहता है। इतनी ज्यादा बर्फ कि उसमें पूरी धरती समा सकती है। पर उस आर्कटिक सागर की अब क्या हालत हो गई है। ये तस्वीरें दुनिया के सबसे बड़ी स्पेस एजेंसी नासा ने धरती से सैकड़ों किलोमीटर ऊपर अंतरिक्ष से ली हैं। ये भयानक हलचल उसी आर्कटिक जोन में हो रही है। जिसे धरती का सबसे बड़ा बर्फिस्तान अर्थात आर्कटिक समुद्र कहते हैं। सफेद सफेद सी दिख रही ये चीज दरअसल बर्फ की वो मोटी चादर है, जो पानी-पानी होकर महासागरों में विलीन होती जा रही है। कहने का मतलब ये धरती पर मौजूद बर्फ का सबसे बड़ा भंडार ग्लेशियर की मोटी मोटी चट्टानें अब खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है। जिसके चलते पूरी दुनिया के वजूद पर संकट खड़ा हो गया है। कैसे वो इस सैटेलाइट इमेज से समझिए, नॉर्थ पोल पर पिघल रही बर्फ किस तरह दुनिया के महासागरों को और ज्यादा भरती जा रही है। कुछ इस तरह, इसकी जद में दुनिया के करीब तमाम देश हैं, हिंदुस्तान भी अछूता नहीं रहेगा। ●